अब सफल होने की काहानी

अब सफल के ओर जाने के लिये कृषि अभियांत्रिकी विदिशा की पहल

कृषक अनिल दरबार आत्मज श्री बसंत जैन दरबार विदिशा का हूँ मैने बी. एस. सी. करने के बाद बीज भण्डार खोली, मैने दुकानदारी के साथ खेती करने का भी शौक था परन्तु खेती नही थी।

मैने कोली से खेती कर खेती का सारा सामान खरीदा और कृषि अभियांत्रिकी कार्यालय में कौशल साहब से मिला और खेती करने की नई तकनीक बताई मैने उस फार्मूला को लक्ष्य मानकर मैने खेती करता हूँ आज मेरे पास निजी खेती 14 वीघा हो गई और 40 वीघा जमीन की कोली में करता हूँ।

आज से एक वर्ष पहले में अभियांत्रिकी अधिकारी जी वासवानी सहाब से मिला और मेरे द्वारा गांव में कृषि के विकास के बारे में चर्चा की उन्होने मेरे आग्रह को स्वीकार कर माधोपुरा यंत्रदूत ग्राम का चयन कर कार्य प्रारंभ किया और सभी ग्रामवासियों को केम्प लगाकर, प्रर्दशन, संगोष्ठी प्रशिक्षण, करके कई नई पद्धति से खेती करने के लिया प्रोत्साहित किया जिसको उस तकनीक को समझकर पूरी 55 वीघा जमीन में रोटोवेटर, करके खेती की ओर कौशल जी ने हर जगह मेरा साथ दिया, मैने गेहू जी एल्यू – 322 जी – 336 की बोनी सीडकम फट्रीलाईजर, ड्रील से करवाई, उस तकनीक अपनाने से मेरे पूरे गेहूं के खेत का उत्पादन मे 25 प्रतिशत लगभग ज्यादा हुई वर्ष 9–10 पूर्व में 55 वीघा (11 हेक्टेयर) जमीन में 300 कुंटल गेहूं प्राप्त किये थे। परन्तु 10–11 वर्ष में उस तकनीक से खेती करने पर 440 कुण्टल गेहूं प्राप्त हुआ है उसके लिये

कि कि दिशा अभियांत्रिकी के कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिस तरह हमारे गांव ने कृषि अभियांत्रिकी के द्वारा तकनीक सुझाब लिया उनकी बात मानकर खेती करेगा तो वह दिन दूर नही है हमारा प्रदेश सभी प्रदेशों से अग्रणी रहेगा।

अनिल दरबार आत्म बंसत जैन
ग्राम माधोपुरा, सुनपुरा
विदिशा
मोबा. 9425149947